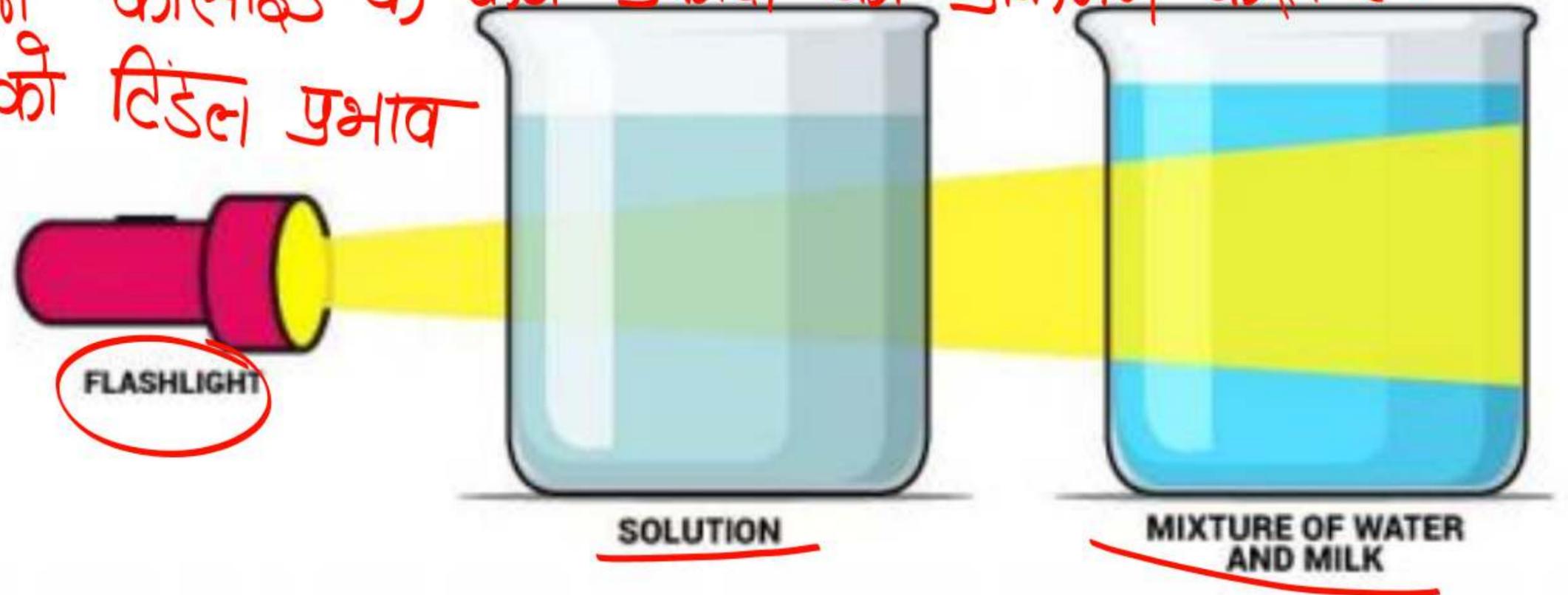


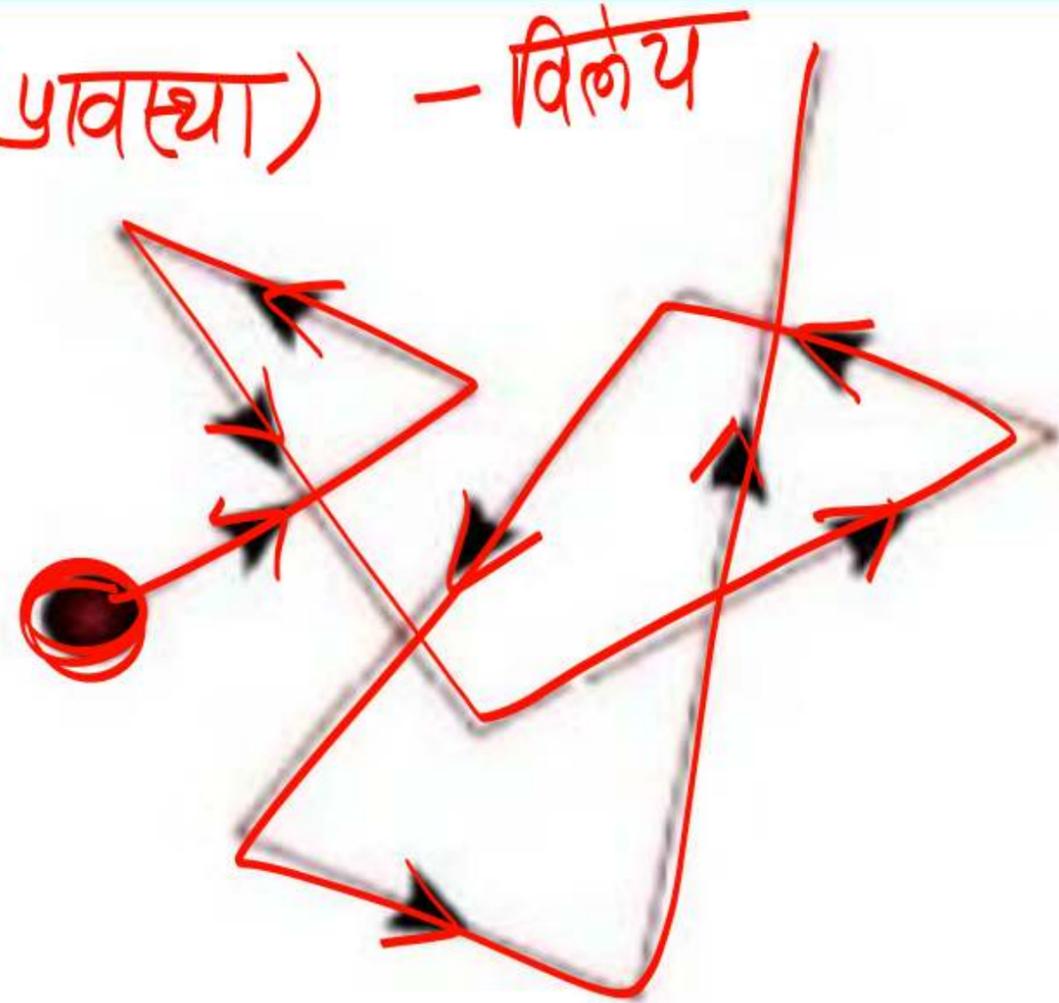
**टिंडल प्रभाव** :- जब किसी प्रकाश किरणपुंज को कोलाइडी विलयन से गुजारते हैं तो कोलाइड के कण प्रकाश का प्रकीर्णन करते हैं। इसी घटना को टिंडल प्रभाव कहते हैं।



**ब्राऊनी गति**

~~DP~~ (परिष्कृत अवस्था) - विकृत

कोल्माइडी विकृत के कण  
 2.6.0 - 2.6.0 मीटर पथ पर गति करते  
 रहते हैं, इसी गति को ब्राऊनी  
 गति कहते हैं।



**Brownian movement**

कोलॉइडी कणो पर आवेश

## कोलॉइडी कणों पर आवेश

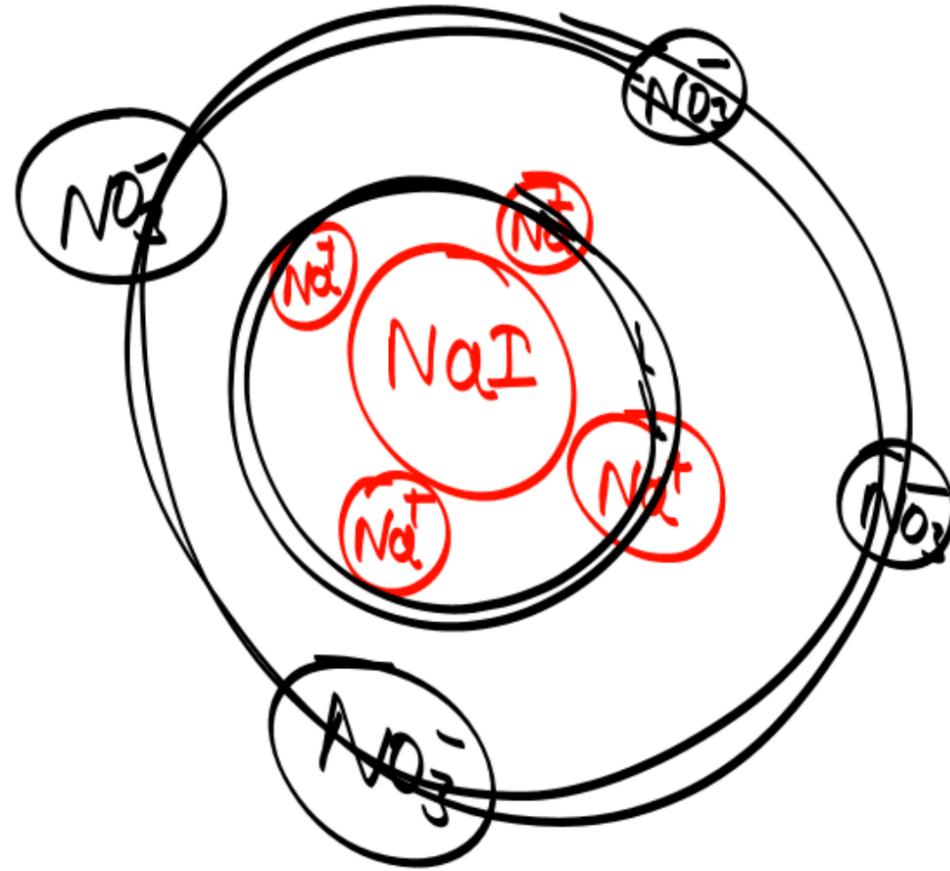
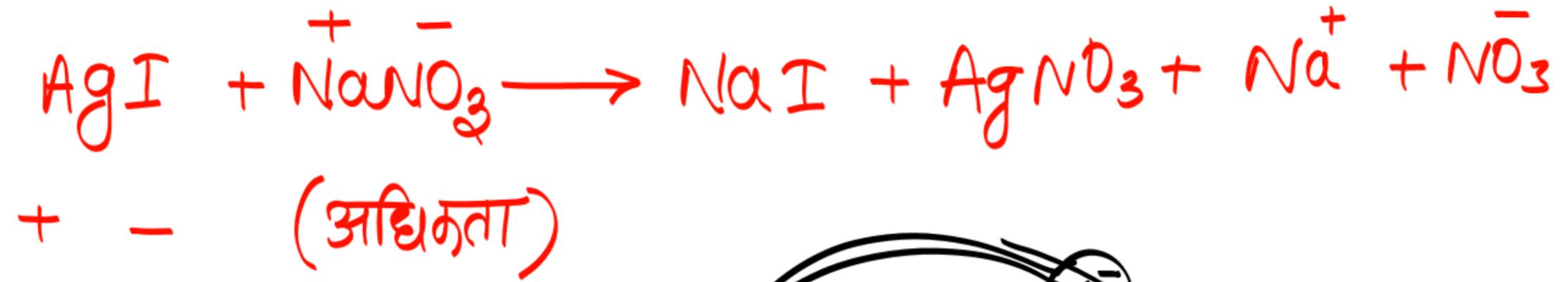
Positively charged sols	Negatively charged sols
<p>Hydrated metallic oxides, e.g., <math>\text{Al}_2\text{O}_3 \cdot x\text{H}_2\text{O}</math>, <math>\text{CrO}_3 \cdot x\text{H}_2\text{O}</math> and <math>\text{Fe}_2\text{O}_3 \cdot x\text{H}_2\text{O}</math>, etc.</p>	<p>Metals, e.g., copper, silver, gold sols.</p>
<p>Basic dye stuffs, e.g., methylene blue sol.</p>	<p>Metallic sulphides, e.g., <math>\text{As}_2\text{S}_3</math>, <math>\text{Sb}_2\text{S}_3</math>, <math>\text{CdS}</math> sols.</p>
<p>Haemoglobin (blood)</p>	<p>Acid dye stuffs, e.g., eosin, congo red sols.</p>
<p>Oxides, e.g., <math>\text{TiO}_2</math> sol.</p>	<p>Sols of starch, gum, gelatin, clay, charcoal, etc.</p>

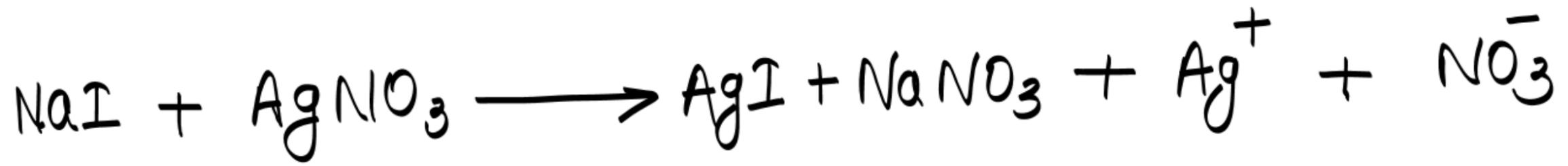
✓ +ve

-ve

\* →

\* →

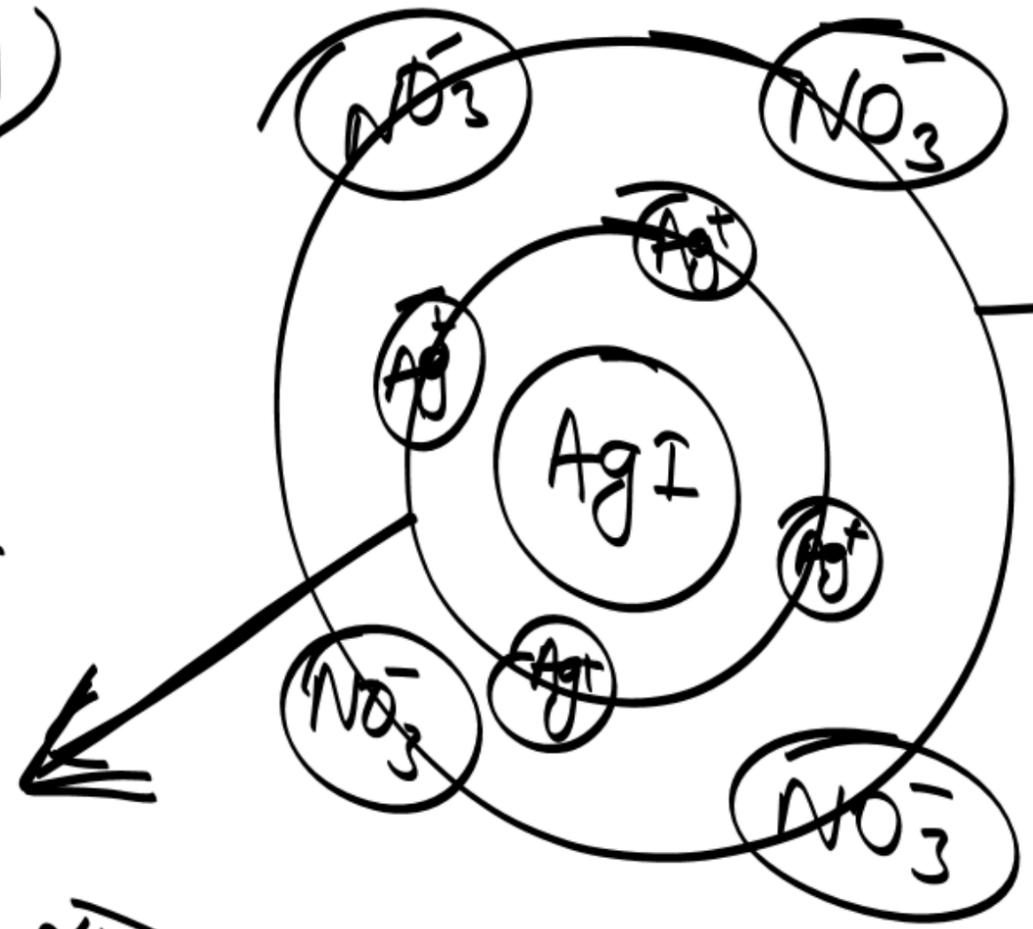




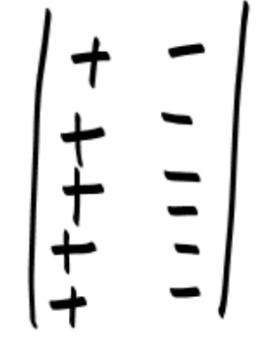
(अधिकता)

हीलमहीरूप  
दिक सतह

स्थिर सतह



विसरित  
सतह



जीटा विभव

कोलाइडी कण के

स्थिर सतह तथा विस्तारित सतह

के बीच उत्पन्न

विभवान्तर को जीटा

विभव कहते हैं

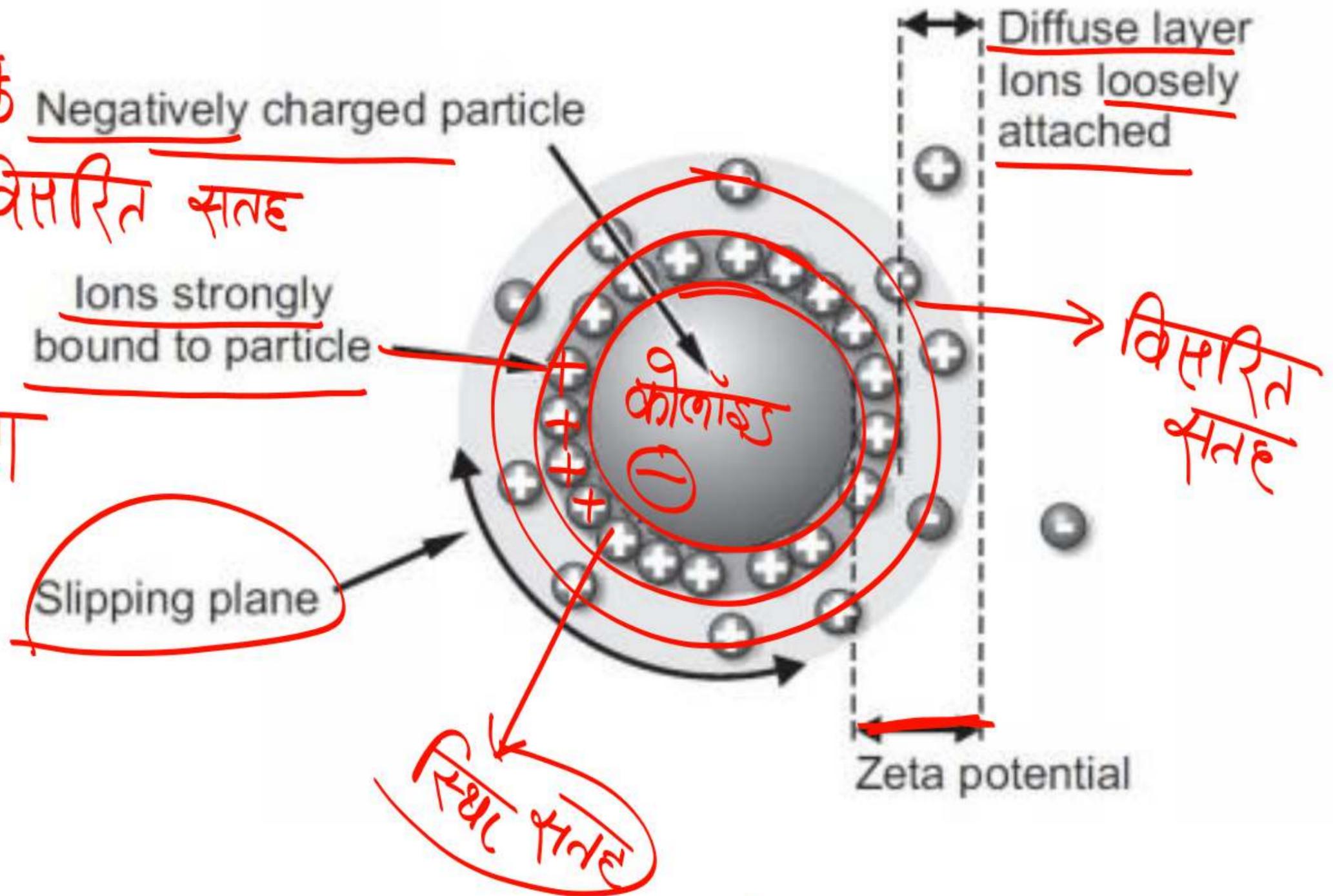
Negatively charged particle

Ions strongly bound to particle

Slipping plane

Diffuse layer  
Ions loosely attached

Zeta potential



स्थिर सतह

विस्तारित सतह

वैद्युत कण संचलन

(DP)

